

# 326 करोड़ रुपये के सोना, हीरे और अन्य अमूल्य धातुओं की स्मगलिंग के आरोपियों को जमानत

जयपुर, (का.सं.) राजस्थान हाईकोर्ट में सोना, हीरे और अन्य अमूल्य धातुओं की विवादित रूप से खरीदने तथा सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 132 और 135 के अन्तर्गत उस खरीदने की जानकारी को छुपाकर शुल्क नहीं जमा करने से संबंधित मामले में आरोपियों को अदालत ने जमानत दी है। न्यायाधीश विनोद कुमार भारवानी ने रविन्द्र कुमार तथा अन्य संलग्न मामलों में आरोपियों को यह कहते हुए जमानत दी है कि इस मामले में सभी गवाह सरकारी अफसर हैं, जो इसी मामले की जांच से जुड़े हैं, अर्थात् उनकी गवाही और सबूतों को प्रभावित नहीं कर पायेंगे। अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि इस मामले की सुनवाई अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट जयपुर में चल रही है, इसलिये सुनवाई के दौरान उनकी जमानत खारिज करना उचित नहीं होगा।

इस मामले में कस्टम अधीक्षक की ओर से प्रस्तुत अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट जयपुर के समक्ष परिवार प्रस्तुत किया जा चुका है जिसके अनुसार मुख्य आरोपी रविन्द्र कुमार,

मुख्य आरोपी रविन्द्र कुमार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बी.आर.बाजवा, अन्य आरोपी ओम प्रकाश की ओर से अधिवक्ता शहबान नकवी, सुरेश रतनलाल की ओर से अधिवक्ता एस.एस.होरा और दीपक कुमार की ओर से अधिवक्ता अरुण गोयल पैरवी के लिये पेश हुए थे। वहीं कस्टम विभाग की ओर से अधिवक्ता किशुक जैन पैरवी के लिये पेश हुए थे

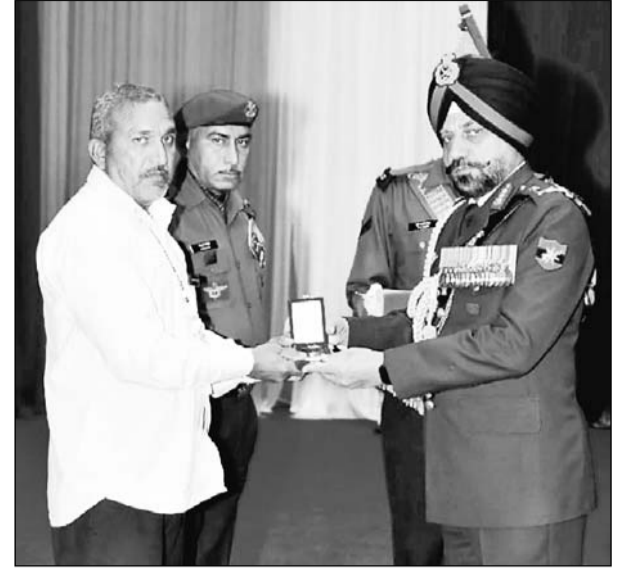
याचिकाकर्ताओं की ओर से यह भी कहा गया कि यह मामला मुख्य रूप से दस्तावेजी और इलेक्ट्रॉनिक्स साक्ष्य पर आधारित है। इस क्रम में जांच व बरामदगी की कार्यवाही पूरी की जा चुकी है। इसलिये ना तो दस्तावेजों तथा साक्ष्यों और गवाहों की खुरद-बुरद होने की संभावना है और ना ही मुख्य गवाहों को डराने धमकाने की आशंका भी नहीं है। अतः अनुसंधान के दौरान प्रार्थियों को अनिश्चितकाल के लिये रिमांड पर रखना न्यायोचित और विधि सम्मत नहीं है

उन्के सीए, ओमप्रकाश और उनके अन्य साथियों ने साथ मिलकर सोना, हीरे और अन्य अमूल्य धातुओं को खरीदने के लिये 326 करोड़ 8 लाख 34 हजार रुपये की रकम को भारत से बाहर, हांगकांग तथा यूनाइटेड अरब इमिराट्स (यू.ए.ई.) भेजी।

कस्टम अधीक्षक का कहना है कि कई नई फर्म तथा कई अस्तित्वहीन फर्मों के नाम से 326 करोड़ से अधिक की रकम भारत से बाहर भेजी और रविन्द्र कुमार के साथियों विक्रम सिंह और कमलेश नागदा द्वारा 200 बैंक खातों द्वारा करोड़ों रुपये का लेन-देन किया गया था। इस मामले में कस्टम अधीक्षक ने कहा कि जांच के दौरान रविन्द्र कुमार के साथी और आरोपी द्वारा इसी मामले में दूसरे अभियुक्त विक्रम सिंह को 80-90 करोड़ रुपये के धन और उसने फर्जी फर्मों के खातों से रकम को बाहर भिजवाया। इस मामले में मुख्य आरोपी रविन्द्र कुमार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बी.आर.बाजवा पैरवी के लिये पेश हुए थे तथा अन्य आरोपी ओम प्रकाश की ओर से अधिवक्ता शहबान नकवी, सुरेश रतनलाल की ओर अधिवक्ता एस.एस.होरा और दीपक कुमार की ओर से अधिवक्ता अरुण गोयल पैरवी के लिये पेश हुए थे। वहीं कस्टम विभाग की ओर से अधिवक्ता किशुक जैन पैरवी के लिये पेश हुए थे।

प्रार्थियों-अभियुक्तगण द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष सुनवाई के दौरान कहा गया कि उन पर बड़ा-चढ़ाकर आरोप लगाकर गिरफ्तार किया गया है लेकिन इस अपराध के विरुद्ध उनके पास प्रथम दृष्टया साक्ष्य पत्रावली मौजूद नहीं है। उन्हें डरा-धमकाकर एवं दबाव बनाकर कथन लेखबद्ध किये गये हैं लेकिन पृष्ठताछ के दौरान लेखबद्ध किये ऐसे तथ्यों का अदालत में कोई महत्व नहीं होता है। प्रार्थियों-अभियुक्तगण की ओर से यह भी कहा गया कि यह मामला मुख्य रूप से दस्तावेजी और इलेक्ट्रॉनिक्स साक्ष्य पर आधारित है। इस क्रम में जांच व बरामदगी की कार्यवाही पूरी की जा चुकी है। इसलिये ना तो दस्तावेजों तथा साक्ष्यों और गवाहों की खुरद-बुरद होने की संभावना है और ना ही मुख्य गवाहों को डराने धमकाने की आशंका भी नहीं है। अतः अनुसंधान के दौरान प्रार्थियों को अनिश्चितकाल के लिये रिमांड पर रखना न्यायोचित और विधि सम्मत नहीं है। इस पर अदालत ने आरोपियों को एक-एक लाख रुपये की दो सिस्कोरिटी मुचलके रखकर जमानत के आदेश दिये।

## दक्षिणी-पश्चिमी कमान में अलंकरण समारोह का आयोजन



दक्षिणी-पश्चिमी कमान के सेना कमांडर अमरदीप सिंह भिंडर ने 17 सेना पदक (शौर्य), एक सेना पदक (प्रतिष्ठित) और एक विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किए।

जयपुर। सेना का दक्षिण पश्चिमी कमान अलंकरण समारोह बुधवार को बटेंडा मिलिट्री स्टेशन के सगत सिंह सभागार में पारंपरिक उसाह और सैन्य भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कुल सत्रह सेना पदक (शौर्य), एक सेना पदक (प्रतिष्ठित) और एक विशिष्ट सेवा पदक लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह भिंडर, सेना कमांडर, दक्षिण पश्चिमी कमान द्वारा प्रदान किए गए।

अलंकरण समारोह वर्ष में एक बार उन कर्मियों को विभिन्न पुरस्कार प्रदान करने के लिए आयोजित किया जाता है, जिन्होंने व्यक्तिगत वीरता और कर्तव्य के प्रति असाधारण समर्पण के कार्यों से खुद को प्रतिष्ठित किया है। पुरस्कार पाने वालों में नौ अधिकारी, एक सरदार और नौ सैनिक शामिल थे। 61 राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन के सिपाही लक्ष्मण के निकट संबंधी को मरणोपरांत वीरता पुरस्कार प्रदान किया गया। पांच यूनिटों को सेना अध्यक्ष द्वारा प्रशंसा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया तथा 15 यूनिटों को जोओसी-इन-सी यूनिट प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

सेना कमांडर ने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनकी वीरता और विशिष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान देने का आग्रह किया। लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह भिंडर ने बाद में पुरस्कार विजेताओं, उनके परिवारों के साथ बातचीत की और भारतीय सेना और राष्ट्र की सर्वोच्च परंपराओं को बनाए रखने में उनके अमूल्य योगदान को सराहा।

## पेट्रोल-डीजल कीमतों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

जयपुर, (का.प्र.)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सिकल पर पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेण्डर की दरें कम करने की मांग को लेकर कांग्रेस के पिये जा रहे धरना-प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुये कहा कि पूरे देश में पेट्रोल-डीजल, गैस सिलेण्डर के दाम बहुत ज्यादा होने से जनता का जीना हाराम हो गया है। अन्तर्देशीय मार्केट में कूड ऑयल सस्ता होकर 81 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया जब 2014 में कांग्रेस की सरकार थी, तब कूड ऑयल के दाम 130 डॉलर प्रति बैरल थे, तब भारत में पेट्रोल-डीजल 70 रुपये प्रति लीटर से कम में बिक रहा था, केन्द्र सरकार 40-45 रुपये प्रति लीटर टेक्स लगाकर जनता की जेब काट रही है।

केन्द्र सरकार के मंत्री रोज कह रहे हैं कि पेट्रोल-डीजल के दाम कम होने चाहिये, इसके बावजूद पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेण्डर के दाम कम नहीं किये जा रहे हैं, पूरा देश महंगाई, गरीब और बेरोजगारी से परेशान है।

खाचरियावास ने कहा कि जयपुर में बुधवार 16 जगहों पर कांग्रेस पिये जा रही है।

## भाजपा पार्षदों की नाराजगी के बाद बैंगलुरु का टूर रद्द



भाजपा पार्षद कुसुम यादव के साथ बुधवार को कई पार्षदों ने आयुक्त विश्राम मीणा को ज्ञापन देकर प्रस्तावित टूर का विरोध जताया।

जयपुर (का.सं.) हैरिटेज नगर निगम की ओर से पार्षदों के सैर-सपाटे के लिए तय किया गया बैंगलुरु टूर अब रद्द हो गया है। भाजपा पार्षद कुसुम यादव ने बताया कि बुधवार को भाजपा के पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त विश्राम मीणा को ज्ञापन देकर प्रस्तावित टूर का विरोध जताया। पार्षदों ने कहा कि एक तरफ नगर निगम में वार्डों के विकास कार्यों के लिए पैसा नहीं है, दूसरी तरफ पार्षदों के टूर के नाम जनता के पैसे की बर्बादी क्यों की जा रही है।

पार्षदों के टूर पर किया जाने वाला खर्च यदि वार्डों में विकास के लिए खर्च किया जाएगा, तो उसमें जनता का भला होगा। पार्षदों के बैंगलुरु जाने से जनता का भला नहीं होने वाला है। पार्षदों की इस नाराजगी को भांपते हुए आयुक्त विश्राम मीणा ने फ़िरवाहाल इस टूर को स्थगित कर दिया है। पार्षदों के प्रतिनिधि मंडल में कुसुम यादव, विमल अग्रवाल, श्याम सुंदर सैनी, रितु किशोर मोतियानी, घनश्याम टेपन और अमर गुर्जर समेत कई लोग मौजूद थे।

502 ग्राम पंचायतों में उप स्वास्थ्य केंद्र जयपुर। राज्य सरकार 'निरोगी राजस्थान' की परिकल्पना को साकार करने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की 502 ग्राम पंचायत मुख्यालयों में नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र खोले जाने की स्वीकृति दी है। इन उप स्वास्थ्य केंद्रों के लिए कुल 502 मिडिया स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (प्रत्येक केंद्र पर एक) के पदों के सृजन को भी मंजूरी दी गई है। प्रस्ताव के अनुसार, प्रत्येक नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्यों हेतु 30 लाख रुपए तक का प्रावधान किया गया है।

## आंजना के परिजनों से मिले डॉ. पूनियां

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने प्रतापगढ़ जिले के केसुंदा पहुंचकर विकास आंजना के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांडस बंधाया और राज्य सरकार से हत्याकांड में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार कर कड़ी सजा देने की मांग की है।

## जयपुर में फिर प्रोपर्टी कारोबारी को मिली लॉरेंस गैंग की धमकी

जयपुर। राजधानी में जो क्लब में फार्च्यूर के बाद एक और प्रोपर्टी कारोबारी को धमकी मिली है। लॉरेंस गैंग के अनमोल विश्वासी ने व्यापारी को जान से मारने की धमकी देकर रंगदारी की मांग की है। इस संबंध में पीठिन ने प्रताप नगर थाने में सोमवार को रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने व्यापारी को सुरक्षा मुहैया करवा दी है।

पुलिस ने बताया कि काका कॉलोनी निवासी प्रोपर्टी डीलर व होटल व्यापारी को 6 फरवरी को फोन पर लॉरेंस मैसेज कर धमकी दी गई। उसके बाद व्यापारी को दो बार इंटरनेशनल मोबाइल नंबर से वाट्सएप कॉल आए, जिसे व्यापारी ने रिस्वीव नहीं किया। कॉल रिस्वीव नहीं करने के कारण व्यापारी को धमकी भरे 5 वॉयस मैसेज आए। उसके बाद फिर से वाट्सएप कॉल आया जो रिस्वीव नहीं किया। जिसके बाद व्यापारी को धमकी भरे 3 वृत्त्युब क्लिप भेजे गए। तीन वाट्सएप कॉल आए। व्यापारी को वीडियो क्लिप भेजने वाले ने खुद को लॉरेंस का भाई अनमोल विश्वासी बताया। कॉल रिस्वीव कर बात नहीं करने पर उसने गोली मारने की धमकी दी। क्लिप में धमकी दी कि साथ मिलकर चलो नहीं तो तुम्हें और तुम्हारे परिवार को गोली मार दी जाएगी। धमकी के चलते व्यापारी दहशत में है। इधर पुलिस गैंगस्टर्स की कमर तोड़ने में लगी हुई है। इसके चलते गैंगस्टर लॉरेंस विश्वासी, रोहित गोदारा, संपत नेहरा और रितिक बांक्सर को सोशल मीडिया पर फोलो व लाइक करने वाले 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी ईस्ट डॉ. राजीव पंचा ने बताया कि इन गैंगस्टर्स को पोस्ट को लाइक व शेयर करने पर पुलिस ने मालवीय नगर, जवाहर सर्किल, बस्सी और रामनगरिया से शिवसिंह शेखावत, विकास शर्मा, अभिषेक मीणा तथा सौरभ नारीली को गिरफ्तार किया है।

## दीक्षान्त समारोह तीन मार्च को

जयपुर (का.सं.) श्रीकण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जेबनेर का पंचम दीक्षान्त समारोह 3 मार्च को आयोजित होना निर्धारित किया गया है। कुलपति प्रोफेसर बलराज सिंह ने बताया कि स्नातक विद्यार्थियों को सत्र 2021-22 एवं स्नातकोत्तर व विद्या-वाचस्पति विद्यार्थियों को जनवरी 2022 से दिसंबर 2022 तक उत्तीर्ण एवं नियमानुसार योग्य विद्यार्थियों को उपाधियां एवं स्पर्ध पदक प्रदान किये जावेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलाधिपति एवं राज्यपाल कलराज मिश्र करेंगे।

## बदमाशों ने वृद्धा का पर्स छीना

जयपुर। मालवीय नगर में बाइक सवार बदमाश एक वृद्धा का पर्स छीन ले गए। जांच-अधिकारी एसएसआई रवींद्र लाल ने बताया गणेश विहार, मॉडल टाउन निवासी लाजवंती (78) मंगलवार शाम करीब 4 बजे घर की तरफ पैदल आ रही थी। इस दौरान बाइक सवार बदमाश झपट्टा मार पर्स छीन ले गए। पर्स में कुछ नकदी, मोबाइल सहित सैने की चूड़ियां रखी थी।

## कैनवास पर उकेरे अभिव्यक्ति के रंग

जयपुर, (का.सं.)। मरीजों का इलाज करने वाले हाथों ने जब पेंट ब्रश पकड़ा तो कैनवास पर अच्छे से अभिव्यक्ति के रंग उकेरे। मौका था एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन में आयोजित हुए लिटरेचर फेस्टिवल अभिव्यक्ति का जिसमें डॉक्टर्स ने पेंटिंग, स्केचिंग, ड्रडलिंग, कार्टूनिंग जैसी रचनात्मक कलाओं में अपना हुनर दिखाया। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम की शुरुआत की।

प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन के आयोजन सचिव डॉ. अशोक गुप्ता ने बताया कि अलग-अलग एक्टिविटीज में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। लिटरेचर फेस्टिवल अभिव्यक्ति के संयोजक डॉ. अमित शर्मा ने बताया कि ड्राइंग, पेंटिंग, स्केचिंग, ड्रडलिंग, कार्टूनिंग के अलावा वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। जिसमें



एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन में लिटरेचर फेस्टिवल अभिव्यक्ति का आयोजन किया गया।

के संयोजक डॉ. अमित शर्मा ने बताया कि ड्राइंग, पेंटिंग, स्केचिंग, ड्रडलिंग, कार्टूनिंग के अलावा वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। जिसमें

## कोई नया संक्रमित नहीं मिला

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर। प्रदेश में बुधवार को भी लगातार दूसरे दिन कोई नया कोरोना संक्रमित नहीं मिला। इस दौरान पांच संक्रमितों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर 10 रह गए हैं। प्रदेश में बुधवार को भी कोरोना संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इससे पहले मंगलवार को भी कोई संक्रमित नहीं पाया गया था। राजधानी जयपुर में भी आज कोई नया मरीज नहीं मिला है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में भरतपुर में 5 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 10 रह गए हैं। फिलहाल जयपुर में 5, उदरपुर में 3 तथा अलवर और भरतपुर

## भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां के नेतृत्व में पार्टी पूरे राजस्थान में मजबूत हुई

## भाजपा के आदिवासी नेताओं ने कहा, "तीन-चौथाई बहुमत की सरकार बनेगी"

जयपुर। राजस्थान के वागडू और हाड़ोती क्षेत्र के भाजपा के आदिवासी नेताओं ने बयान जारी कर भाजपा राजस्थान संगठन व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व की प्रशंसा की है। आदिवासी नेताओं ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व में भाजपा किसान कर्जमाफी, महिला सुरक्षा, पेपर लीक, बिगडी कानून व्यवस्था, लंपी इत्यादि तमाम जनहित के मुद्दों पर सड़क से सदन तक कांग्रेस सरकार के खिलाफ मुखर हैं, दर्जनों से अधिक आंदोलन जयपुर से प्रदेश के

सभी जिलों में किये और आगामी दिनों में होंगे, पार्टी संगठन की मजबूती से लेकर जनता को लड़ाई लड़ने में पूरी तरह सक्रिय है। इन आदिवासी नेताओं का कहना है कि किसानों और युवाओं के मुद्दों पर आंदोलनों का नेतृत्व करते हुये सतीश पूनियां के शरीर पर कई गंभीर चोटें

आई और पैर तक में गंभीर फ्रैक्चर आ गया था। पुलिस-प्रशासन की तानाशाही व लाठीचार्ज के कारण और वहीं कोरोनाकाल में सेवा ही संसदन अधिवान की मॉनिटरिंग, प्रदेशभर के प्रवास व फील्ड में कार्य करने के दौरान सतीश पूनियां दो बार स्वयं कोरोना संक्रमित हो गये थे, जिसमें वह

## विधानसभा अध्यक्ष ने अफसरशाही को किया तलब



विधानसभाध्यक्ष सी.पी.जोशी ने अधिकारियों की बैठक लेकर प्रश्नकाल के बाद गायब रहने वाली अफसरशाही को लेकर नाराजगी जताई।

अध्यक्ष ने अधिकारियों को तलब किया था। विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी ने बुधवार को विधानसभा में प्रदेश के प्रमुख आईएसएस अफसरों की कत्ता ली। विधानसभा में विधायकों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब समय पर तैयार करके नहीं देने और सदन में मंत्रियों द्वारा दिए गए प्रस्तावों आश्वासनों को कार्रवाई की जानकारी नहीं देने के कारण विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी प्रदेश की अफसरशाही से नाराज हैं। यही कारण है कि उन्होंने बुधवार को विधायकों के शासन सचिव, प्रमुख शासन सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव के पदों पर कार्यरत आईएसएस अफसरों को

महीनेभर तक अस्पताल में भर्ती रहते हुये जिंदगी और मौत से जुड़े, जिसमें वह प्रदेश के कार्यकर्ताओं व जनता की दुआओं के कारण मौत को मात देकर फिर से जनता के बीच आकर लगातार संगठन की मजबूती में जुटे हैं और जनता के मुद्दों को उठाने में पूरी तरह मुखर रहते हैं। हाड़ोती संघर्ष के पार्टी के वरिष्ठ आदिवासी नेता व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष हेमराज मीणा ने हाल ही में राजसमंद में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां के बारे में किसी भी कार्यकर्ता से पूछा जा सकता है।

## 'ना प्रश्नों के उत्तर समय पर आ रहे हैं, ना मंत्रियों के आश्वासन पर कार्यवाही हो रही'

प्रश्नों, आश्वासनों, प्रस्तावों पर अब तक जवाब नहीं आने और कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई है। प्रदेश की अफसरशाही और राजनीतिक इतिहास में पहला मौका है, जब विधानसभा अध्यक्ष ने इस तरह से आईएसएस अफसरों को सीधे बुलाकर जवाब-तलब किया है। बताया जा रहा है कि विधानसभा अध्यक्ष की ओर से भेजे गए पत्र में लिखा है कि प्रश्न व संदर्भ समिति और अध्यक्ष स्तर पर प्रश्नों का जवाब नहीं देने, प्रस्तावों की जानकारी अब तक तैयार नहीं करने, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के तहत मंत्रियों के स्तर पर दिए गए आश्वासनों की जानकारी मुहैया नहीं करवाने को अफसरों के स्तर पर गंभीर लापरवाही और उदासीनता बरतना माना गया है।